64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം
തിയ്യതി.....................
പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി

Item Code: 948 Participant Code: 034

भारत में विदेशी विश्वविद्यालय

→ भूमिका

1. विषय प्रवेश। ①
2. विदेशी विश्वविद्यालय और पुरानी विश्वविद्यालय। ②
3. ब्रिटिश प्रशासन की समय में विदेशी विश्वविद्यालय। ③
4. आज की प्रमुख विश्वविद्यालय। ④
5. विदेश विश्वविद्यालय की नाम पर आतंकवाद। ⑤
6. छात्रों में विदेश विश्वविद्यालय जाने की कारण। ⑥
7. विदेश विश्वविद्यालय स्थापना का कारण। ⑥
8. भारत यूनिवेर्स्टी की फायदे और नुकसान। ⑦
9. विदेश यूनिवर्स्टी की नुकसान। ⑧
10. सरकार की दायित्व। ⑨
11. निष्कर्ष। ⑩

64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം ★ പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി ★

विश्वविद्यालय जीवन का महत्वपूर्ण अंग

पोथी पढ़ी पढ़ी जग मुआ पंडित भया न कोई
जिनकी प्रेम की ढाई अक्षर पढ़ लिये
तो बड़ा होना!......!!
(वाणी)

बड़े बड़े ग्रन्थों में पढ़कर कोई पंडित नहीं हो सकता। जिनकी प्रेम की ढाई अक्षर पढ़ लिये और समझ लिये तो बड़ा व्यक्ति होगा। इस दोहा में कबिरदासजी कहते हैं कि नैतिक मूल्यों की आवश्यकता।

① विषय प्रवेश → शिक्षा हमारा जीवन की आवशायकता।

आज मानव प्रौद्योगिक की उच्चतम शिखर तक पहुँच गया है। सारी क्षेत्रों में मानव अपना भूमिका निभाती है। शिक्षा मानविक जीवन की एक बहुत बड़ा अंग है। शिक्षा एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। आज की बच्चा कल की नागरिक है। हमारा देश की भविष्य बच्चों और युवों की हाथ है। लेकिन हम जानता था कि शिक्षा की स्थान

अपना जीवन में । तो अच्छा शिक्षा कॉलेज अच्छा स्कूल और विश्वविद्यालय होना ज़रूरी है। लेकिन हमारा युवा पीढ़ी की एक प्रमुख समस्याओं है बेरोज़गारी। इसका प्रमुख कारण हमारा शिक्षा व्यवस्था है।

② विदेशी विश्वविद्यालय और पुरानी विश्वविद्यालय

"शिक्षा के बिना हमारा जीवन अधूरा है"
- अनिरुधा.एस

पुराने ज़माने भारत की शिक्षा व्यवस्था लोकप्रिय है। लेकिन विदेशी छात्रों भारत में आकर पढ़ने का समय है। भारत में अनेक प्रतिभाशाली और लोकप्रिय नेता इस समय में विकास हुआ।

-> नलंदा विश्वविद्यालय

-> तक्षशिला

-> आदि विश्वविद्यालय अनमोल और अनेक करोड़ों ग्रंथ है। लेकिन उस समय विदेशी आकर हमारा समृद्धि तथा मूल्य के बारे में सोचकर

वह अंह नाश करता था।

③. ब्रितिश प्रशासन की समय
में विदेशी विश्वविद्यालय

ब्रितिश प्रशासन की समय समृद्धि और पीरी होता है, है ना...?

ब्रितिश प्रशासन की समय भारत में अनेक विश्वविद्यालय स्थापित करते हैं। वह अंग्रेज़ी शिक्षा की विकास करना देते हैं। तो मेरा मतलब में वह भारतीय विश्वविद्यालय की स्थान उच्चतम शिखर में है। तो विदेशी स्नेही जनताओं अपना बच्चों को वहा निकल जाने से कहा। यह समाज में कई परिवर्तन हो गया था।

④ आज की प्रमुख विश्वविद्यालय
(भारत में)

आज भी भारत में अनेक प्रमुख विश्वविद्यालय हैं। इसमें प्रमुख "जामिया मिलिया ईस्लामिया, दिल्ली

केंद्र सरकार की विश्वविद्यालय। लेकिन इस स्थान अच्छा स्कोर प्राप्त करने की छात्रों आवाया था। "भारत की भविष्य इस कलापीठ की हाथ में है"। लेकिन अच्छा स्कोर प्राप्त न करें छात्रों ने भारत की विदेशी विश्वविद्यालय में जाता था। लेकिन अच्छा शिक्षा पाकरने का अच्छा स्कोर की आवश्यकता होगा।

(5) विदेश विश्वविद्यालय की नाम पर आतंकवाद

आज आतंकवाद कई निरकंठा लोगों शिकार बना गया है। हमारा भारत की प्रमुख स्थान है कशमीर और इसका सीमित प्रदेशों। लेकिन अपना धर्म और कट्टर की स्थापना केलिए कई व्यक्तियों ब्रह्मास्त्र करते हैं, बॉब आदि वस्तु उपयोग करते विनाश होते हैं।

इसका प्रमुख स्थान यह विश्वविद्यालय है। कुछ धर्म की स्थापना और समाजिक की

की अन्याय को दूर करने केलिए वह छात्रों के मन में राजद्रोह पैदा करने की सहायता देती है।

"रवीन्द्रनाथ टागोर कहता था कि अपने संस्कृति और सांस्कारिक को मजबूत करने केलिए अपना देश की विश्वविद्यालय में पढ़ने अनिवार्य है। इसका विपरीत करें तो हमारा नैतिक मूल्य नष्ट करना जैसा है"।

(6). छात्रों में विदेश विद्यालय जाने की कारण।

युवा पीढ़ी का योगदान देश को अविलय और अर्थ देता था। सामाजिक विकास और परिवर्तन केलिए वह बड़ा भूमिका निभाती है। लेकिन उसकी प्रमुख समस्या बेरोज़गारी है। "सब काम महत्वपूर्ण है" यह मन नहीं है। सबको डक्टर, एन्जीनीयर तथा बनाने केलिए इच्छा है। पढ़ाई और पैसा कमाने और माता पिता की इच्छा की अनुसार वह

पैसा किया था। लेकिन भारत की विश्वविद्यालय की शोचनिय अवस्था (सब नहीं है) को सोचकर और दूसरे लोगों में एक कहना है "भारतीय शिक्षा कोई स्थान नहीं और शिक्षा की व्यवस्था ही बुरा है। यह चिंतित हुई वह दूसरा विद्यालय को जाते हैं।

शिक्षा का अनिवार्य अंग है अनुशासन और नैतिक मूल्यों..... !

आज की तेजी बदलती हुई समय इंटरनेट में आश्रित होकर युवा पीढ़ी की एक प्रमुख समस्या है मानवीक मूल्यों तथा स्नेह करुण, आदि का चोरी करना। यह विदेश विश्वविद्यालय में जाते हुई नहीं मिला। विदेश संस्कृति और आदतों का विकसित करना है। इस छात्रों की पलायन करना की कदम उठाने चाहिए।

(7) विदेश विश्वविद्यालय स्थापना का कारण (विद्यार्थी की प्यार करने की कारण)

→ अच्छा तकनीकी का उपयोग और सब

തിരുത്തി...................
64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം
പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി

पीढ़ी की लभ्यता।

→ वह सारी विषयों की सीखने का अवसर होता था। (उदा: हिंदी, जर्मन, फ्रेंच) आदि

→ विद्यालय - विद्यार्थि शिक्षक के साथ आलापन शिक्षा में अवसर है।

→ अच्छा परिसमेत होता था।

→ समय बंधित परीक्षा।

→ अनुशासन का स्थापना।

⑧ भारत और केरल यूनिवर्सिटी की गुण और दोष

दोष → समय बंधित परिक्षा नहीं होती।

→ तकनीकी और अंतर्जाल की उपयोग कम है।

गुण : → प्रसिद्ध प्रतिभाशालि अध्यापकों का शिक्षण।

→ अमीर और गरीब के पढ़ने का अवसर है।

→ छात्रों का राजनिति और लोकतंत्र को मजबूत करता।

→ विश्वविद्यालय में अपना चिंता की तरीका की विभिन्न क्षेत्र में गया था।

64-മത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം തിയ്യതി ...... പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി തൃശ്ശൂർ

-> विविधा में रुकता बढ़ाया।
-> कला, खेल कूद आदि का अवसर है। इससे एक छात्र की जीवन सफलतापूर्ण होता है।

⑨ विदेश विश्वविद्यालय का दोष (नुकसान)

-> एक प्रमुख कारण वह अमीर व्यक्ति की पढ़ना कर सकता था।
-> विदेश विश्वविद्यालय की नाम पर नशा की सेव, स्कस रखत, आदि होती है।
-> वह सरकार की अध्यापक नहीं है तो प्रतिभाशाल कम है।
-> इस विश्वविद्यालय की अटमिशन पैसा कार्य में अनेक फोटे होता था। (पैसा कमाने कलिक).

⑩ सरकार की दायित्व।

आज की छात्रों विदेश विद्यालय की जाने की प्रमुख कारण सरकार और केंद्र सरकार की अवसर सदुपयोग नहीं करना। वह हमारा

भारतीय संस्कृति और शिक्षा व्यवस्था की बारे में नहीं जाना।

-> समय बंधित परिक्षा करते है।

-> अच्छा शिक्षण और अच्छा मेलसमेंत

-> तकनीकी एवं विज्ञान की चमत्कार आविश्कार की शिक्षा प्रयोग करता है।

-> FYUGP [एफ. वयी. यु. जी. पी] नया शिक्षा व्यवस्था की आयोजन करना अनिवार्य है।

-> अनुशासन की स्थापना।

(11) निष्कर्ष

विद्यालय और युनिवेस्टी की पढ़ना और किस केंद्र में जाना एक छात्र की पसंद है। लेकिन अच्छा शिक्षा पाकरने केलिए अच्छे कालेज में जाना अनिवार्य है। भारतीय विश्वविद्यालय मेरा मतलब में एक अच्चतम शिखर निभाती है। लेकिन विदेशी विश्वविद्यालय की स्थापना करके उसे नबाद करना चिंत कोई चिता है। अच्छा शिक्षा केंद्र सब कुछ अच्छा है।